Dr.Raman Kumar Thakur
Assistant professor (Guest)
Department of Economics
D.B.College Jaynagar,
Madhubani,L.N.M.U.Darbhanga.

Class:- B.A.part-2 (Hons) Paper-3.
Date:-04 may 2020

* आर्थिक विकास अथवा आर्थिक वृद्धि
(Economic Development Or Economic Growth):-

→विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास और आर्थिक वृद्धि शब्दों के अर्थ को अलग ढंग से प्रयुक्त किया है। प्रायः अर्थशास्त्री आर्थिक विकास शब्द का प्रयोग अल्प विकसित देशों के लिए और आर्थिक वृद्धि शब्द का प्रयोग विकसित देशों के लिए करते हैं ।
आर्थिक विकास अथवा आर्थिक वृद्धि को विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अपने -अपने ढंग से परिभाषित किया है:-
* हिक्स (Hicks)की परिभाषा:- अल्पविकसित देशों की समस्याएं उपयोग में ना लाए गए साधनों के विकास से संबंध रखती है, भले ही उनके उपयोग भली-भांति ज्ञात हो , जबकि उन्नत देशों की समस्याएं वृद्धि से संबंधित रहती है जिनके बहुत सारे साधन पहले से ज्ञात और किसी सीमा तक विकसित होते हैं!" परिभाषा से स्पष्ट है कि विकास शब्द का संबंध पिछड़े हुए देशों से हैं जहां पर साधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हुआ और उनके विकास की संभावना है। जबकि वृद्धि शब्द का प्रयोग आर्थिक दृष्टिकोण से विकसित देशों से हैं।

* शूम्पीटर की परिभाषा:- वास्तव में विकास और वृद्धि शब्दों का अर्थव्यवस्था के प्रकार से कोई संबंध नहीं है। दोनों में भेद परिवर्तन की प्रकृति और कारणों से है। शूम्पीटर दोनों शब्दों में भेद को स्पष्ट करते हुए कहता है कि "विकास स्थिर अवस्था में एक निरंतर और स्वत: प्रेरित परिवर्तन है जो पहले से वर्तमान संतुलन अवस्था को हमेशा के लिए परिवर्तित और विस्थापित करता है, जबकि वृद्धि दीर्घकाल में होने वाले क्रमिक तथा सतत परिवर्तन है जो बचत और जनसंख्या की दर में धीरे-धीरे वृद्धि द्वारा आता है। शूम्पीटर की इस परिभाषा को अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने स्वीकृत किया और सुधारा है।

* मेडिसन की परिभाषा :-उपर्युक्त परिभाषाओं में सबसे सरल परिभाषा मेडिसन की है । मेडिसन, द्वारा किया गया भेद आर्थिक वृद्धि एवं आर्थिक विकास में, सबसे सरल है । उसके शब्दों में "आय स्तरो को ऊंचा करना सामान्यतया अमीर देशों में आर्थिक वृद्धि कहलाता है जबकि गरीब देशों में यह आर्थिक विकास कहलाता है।"

* किंडलवर्ग और हैरिक की परिभाषा :- किंडलवर्ग और हैरिक के अनुसार " आर्थिक विश्लेषण में कभी-कभी वृद्धि और विकास को पर्यायवाची के रूप में प्रयुक्त किया जाता है ।अक्सर ऐसा प्रयोग मान्य है लेकिन जहां दोनों धारणाएं प्रयुक्त की जाती है वहां विशेषतया अलग अर्थ लिया जाता है । स्पष्ट और और अस्पष्ट रूप से सामान्य तौर से इनका प्रयोग इस प्रकार से हैं, "आर्थिक वृद्धि का मतलब अधिक उत्पादन है जबकि आर्थिक विकास का अर्थ है अधिक उत्पादन तथा तकनीकी और संस्थानिक व्यवस्थाओं में
परिवर्तन जिनके द्वारा यह उत्पादित और वितरित होता हैं "।

निष्कर्ष (Conclusion):-अतः आर्थिक वृद्धि का संबंध देश की प्रति व्यक्ति आय उत्पादन में एक मात्रात्मक निरंतर वृद्धि से है जो कि उसकी श्रम शक्ति, उपभोग ,पूंजी और व्यापार की मात्रा में प्रसार के साथ होती हैं ।दूसरी ओर आर्थिक विकास एक विस्तृत धारणा है यह आर्थिक आवश्यकताओं बस्तुओ प्रेरणाओ और संस्थाओं में गुणात्मक परिवर्तनों से संबंधित है। यह प्रौद्योगिकी और संरचनात्मक परिवर्तन हो जैसे वृद्धि के अंतर्निहित निर्धारकों का वर्णन करता है। विकास में वृद्धि और हास दोनों सम्मिलित होते हैं। एक अर्थव्यवस्था वृद्धि कर सकती है परंतु यह विकास नहीं कर सकती, क्योंकि प्रौद्योगिकी और संरचनात्मक परिवर्तनों के अभाव के कारण गरीबी ,बेरोजगारी और असमानता निरंतर विधमान रहती है। परंतु प्रति व्यक्ति उत्पादन में वृद्धि में अभाव के कारण विशेषकर जब जनसंख्या तीव्रता से बढ़ रही है तो आर्थिक वृद्धि के बिना विकास के बारे में सोचना कठिन है ।